RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 131
दि. 10.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बनेंगे, उम्मीद से अधिककुल 452 वोट मिले, मिल रहीं बधाईयां

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के साथ, 68 वर्षीय राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बनेंगे। उन्हें कुल 452 वोट मिले, जो उम्मीद से अधिक थे।

इस चुनाव में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट के साथ हार का सामना करना पड़ा। उपराष्ट्रपति का यह पद जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत एनडीए में शामिल पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने खुशी जाहिर करते हुए, शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बधाई देते हुए लिखा, "सी. पी. राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई! सार्वजनिक जीवन में आपके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं आपको एक सफल और प्रभावशाली कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देती हूं।"

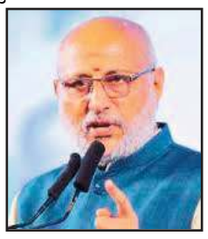

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प् लेटफार्म पर एक पोस् ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, "सी.पी. राधाकृष्णन जी को 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी होने पर बधाई। उनका जीवन सदैव समाज सेवा और गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है। मुझे विश्वास है कि वे एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे, जो हमारे संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करेंगे और संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।"

गृह मंत्री अमित शाह ने सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत पर बधाई दी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन की समझदारी और प्रशासनिक ज्ञान भारतीय संसदीय लोकतंत्र को और बेहतर बनाने में मदद करेगा, खासकर हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा के लिए।

शाह ने कहा, " सी.पी. राधाकृष्णन जी को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर हार्दिक बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि जमीनी स्तर से उठे एक नेता के रूप में आपकी समझदारी और प्रशासन के बारे में गहरा ज्ञान हमारी संसदीय लोकतंत्र में सर्वश्रेष्ठ लाने में मदद करेगा, ताकि हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा की जा सके। मैं आपको उच्च सदन की पवित्रता के संरक्षक के रूप में आपकी यात्रा के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने बधाई संदेश में लिखा, " सी.पी. राधाकृष्णन जी को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई।

सीपी राधाकृष्णन ने मारी बाजी, मुंह के बल गिरा विपक्ष 'बाजीगर' बनने की कोशिश में क्यों? खुद समझाया

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ चुके हैं, और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 452 वोटों से जीत हासिल कर ली। 68 साल के राधाकृष्णन अब भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बनेंगे, जो राज्यसभा के सभापति के रूप में भी काम करेंगे। कठउक्रअ ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट ही मिले, जो उनके दावे के 315 वोटों से भी कम रहे।

9 सितंबर 2025 को संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले मतदान के बाद शाम 6 बजे काउंटिंग शुरू हुई, और ठऊअ की जीत तय हो गई। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली इस पद पर NDA ने रणनीतिक चाल चली। लेकिन विपक्ष हार में भी जीत ढूंढ रहा है – कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'नैतिक जीत' का दावा किया। आइए, समझते हैं – जहां NDA ने बाजी मारी, लेकिन विपक्ष 'बाजीगर' बनने की कोशिश में लगा है...

9 सितंबर 2025 को संसद के सेंट्रल हॉल में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ। ठऊअ के पास संसद में 293 सीटें थीं, जबकि कठउक्रअ ब्लॉक के पास 315। लेकिन काउंटिंग में सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट (प्रथम वरीयता) मिले, जो उम्मीद से ज्यादा थे। बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट ही मिले। एïू३ङ्ग्ल्ल उङ्ग२२ङ्ग्ल्ल ने राधाकृष्णन को विजेता घोषित किया। ठऊअ ने सर्वसम्मति की कोशिश की, लेकिन विपक्ष ने दांव खेला। PM नरेंद्र मोदी ने पर बधाई दी, 'सीपी राधाकृष्णन जी का जीवन समाज सेवा और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहा है। वे उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे, जो संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करेंगे।'

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर दो पोस्ट्स कर विपक्ष की 'नैतिक जीत' का दावा किया। पहले पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मतदान संपन्न। विपक्ष एकजुट रहा। सभी 315 सांसदों ने वोट डाला।' दूसरे में, 'INDIA गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने 40% वोट (300) हासिल किए। 2022 में विपक्ष को 26% (182) मिले थे। इखढ की जीत अंकगणितीय है, लेकिन नैतिक हार। वैचारिक लड़ाई अनवरत जारी।'

रमेश ने कहा, 'विपक्ष का प्रदर्शन सम्मानजनक रहा। एकजुटता से हम मजबूत हुए।' लेकिन NDA ने तोते उड़ा दिए – राधाकृष्णन की जीत 452 वोट से हुई, जो ठऊअ के गठबंधन (BJP+JD(U)+TDP+अन्य) की ताकत दिखाती है। विपक्ष के 315 में से 15 ने क्रॉस वोटिंग की, जिससे रेड्डी के वोट कम हुए।

सीपी राधाकृष्णन (20 अक्टूबर 1957, तिरुप्पुर) का चयन NDA की चालाकी था।

सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति का चुनाव की जीत पर खुशी जताई

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन के चुने जाने के बाद उन्हें बधाई दी है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया मंगलवार को दिन में पूरी की गई। शाम को वोटों की गिनती के बाद एनडीए कैंडिडेट को विजयी घोषित कर दिया गया। उपराष्ट्रपति चुनाव का रिजल्ट जारी होते ही सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई है। साथ ही प्रदेश के अन्य सीनियर भाजपा नेताओं ने विजयी उम्मीदवार को बधाई दी।

सीएम योगी ने क्या कहा?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर विजयी एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में लिखा है कि भारत के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर एनडीए के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को हार्दिक बधाई। राष्ट्र के प्रति आपकी अटूट निष्ठा, दृढ़ प्रतिबद्धता और समृद्ध अनुभव भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक सशक्त एवं उज्ज्वल बनाएगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने मेडागास्कर की मंत्री के साथ सिविल सेवा प्रशिक्षण और शासन सुधारों पर द्विपक्षीय वार्ता की

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और मेडागास्कर की श्रम, रोजगार और लोक सेवा मंत्री श्रीमती हनीत्रा फिटियावाना रजाकबोआना के बीच भारत की शासन पद्धतियों और पारदर्शिता एवं दक्षता में प्रौद्योगिकी के उपयोग से हुई सुधारों को मेडागास्कर के लोक सेवकों को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित बैठक हुई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दृष्टिवान नेतृत्व में राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा अर्निंग वेल-लिविंग वेल मंत्र को पूरा करने वाला 'गुजरात जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025' विधानसभा में पारित हुआ

गांधीनगर, 09 सितंबर :धानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिवान नेतृत्व में विकसित भारत@2047 के लिए विकसित गुजरात के निर्माण की दिशा में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तथा पॉलिसी ड्रिवन गवर्नेंस के चलते गुजरात आज जब विश्वभर के निवेशकों की पहली पसंद बना है, तब ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्ल को वेग देकर अर्निंग वेल-लिविंग वेल की संकल्पना साकार करने का राज्य सरकार का ध्येय है।

15वीं गुजरात विधानसभा के सातवें सत्र के दूसरे दिन उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सदन में ह्यगुजरात जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025ह्ल प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के सरलता एवं पारदर्शिता की ओर एक और ठोस कदम के रूप में पारित हुआ यह जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025 राज्य में कानून के पालन को आसान बनाकर, डिजिटलाइज्ड कर तथा सुयोग्य ढंग से बदलाव लाकर व्यापार सरलता के साथ जीवन जीने की सरलता में भी वृद्धि करने वाला सिद्ध होगा। इतना ही नहीं; न्यायपालिका पर बोझ घटाने में भी यह विधेयक उपयुक्त बनेगा।

मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने सदन में इस जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025 की पृष्ठभूमि रखते हुए कहा कि किसी भी देश में विकास के लिए स्थिर नीतियाँ तथा अच्छा व्यावसायिक माहौल बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने हमेशा कानूनों को आधुनिक, फ्लेक्सिबल, पीपल फ्रेंड्ली तथा विश्वास आधारित बनाया है। सरकार ने आम नागरिकों तथा उद्योगों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना है।

इतना ही नहीं; टेक्नोलॉजी के उपयोग से त्वरित एवं अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकने वाले क्षेत्रों में उनके मार्गदर्शन का भी सरकार ने स्वागत किया है। इसलिए केन्द्र सरकार ने 2023 में जनविश्वास अधिनियम लागू कर कम्प्लायंसेज घटाने का प्रयास किया है। इस दिशा में केन्द्र व राज्य स्तर पर 40 हजार से अधिक कम्प्लायंसेज निर्मूल किए गए। इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रोत्साहन मिला है। हाल ही में संसद में जनविश्वास विधेयक 2.0 प्रस्तुत हुआ है। राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार के जनविश्वास विधेयक 2.0 का विस्तृत अध्ययन करने के बाद गुजरात जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025 तैयार किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल इन्क्रीमेंटल चेंज के लिए नहीं, बल्कि क्वाण्टम जंप के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के सुदृढ़ विकास की डाली गई नींव को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस तथा प्रो-पीपल गवर्नेंस के लिए हमेशा आग्रही रहे हैं। उसे साकार करते हुए राज्य सरकार के 6 विभागों के 11 कानूनों-नियमों के अंतर्गत लगभग 516 प्रावधानों को अपराधमुक्त डिक्रिमिनलाइज्ड करना इस विधेयक का उद्देश्य है।

उद्योग मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस विधेयक में कानूनों एवं नियमों में सुझाए गए सुधारों में छोटी (कम गंभीर) भूलों के लिए जहाँ तक संभव हो, कैद की सजा का प्रावधान हटा दिया गया है और फाइन यानी दंड के स्थान पर वित्तीय पैनल्टी के प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग, श्रम एवं कौशल विकास तथा रोजगार विभाग, नर्मदा, जल संसाधन, जलापूर्ति एवं कल्पसर विभाग, उद्योग एवं खान विभाग, कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग और वित्त विभाग के 11 कानूनों-नियमों के अंतर्गत आने वाले 516 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने से सजा के भय के स्थान पर प्रामाणिकता से कानूनों के पालन में मदद मिलेगी।

उन्होंने अपराधमुक्त किए गए 516 प्रावधानों का विवरण देते हुए कहा कि एक प्रावधान में कैद की धारा है, जिसे हटाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के बाढ़ और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन के कारण बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा के लिए 9 सितंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के चंबा, भरमौर, कांगड़ा और अन्य प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी ने कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक की जिसमें राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान का आकलन भी किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी।

आदि-कर्मयोगी अभियान के एक हिस्से के रूप में प्रतिष्ठित जनजातीय लोगों के एक समूह ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

(जीएनएस)।

विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले विविध पृष्ठभूमि के प्रतिष्ठित जनजातीय लोगों के एक समूह ने आज (9 सितंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। जनजातीय कार्य मंत्रालय के 'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत राष्ट्रपति भवन में इस समूह का आगमन हुआ। इस पहल के तहत राष्ट्रपति भवन में जनजातीय नेताओं की ऐसी बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई है। इस चरण की इस श्रृंखला में यह अंतिम बैठक थी।

उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय समाज और देश के भविष्य को आकार देने की दिशा में संवाद और सहयोग का एक अनोखा प्रयास है। यह पहल एक समावेशी और समतामूलक भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि जनजातीय समुदाय न केवल विकास के लाभार्थी बनें, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के सह-निमार्ता भी बनें।

राष्ट्रपति ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान उत्तरदायी शासन के माध्यम से जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने की एक परिवर्तनकारी पहल है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस वर्ष जुलाई में इस अभियान के शुभारंभ के बाद से, एक लाख गांवों में, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और जनजातीय युवाओं सहित 20 लाख आदि-कर्मयोगियों को प्रेरित किया जा रहा है।

धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के संबंध में संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर रवाना

श्री प्रधान की यात्रा के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के दुबई परिसर का उद्घाटन किया जाएगा

(जीएनएस)।

भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान 10-11 सितंबर 2025 को संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनकी इस दो दिवसीय यात्रा का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करना, अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचारों को बढ़ावा देना तथा दोनों देशों के छात्रों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए साझेदारी के नए रास्तों की तलाश करना है।

श्री प्रधान अपनी इस यात्रा के दौरान शिक्षा, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख नेताओं, मंत्रियों, नीति-निमार्ताओं, शिक्षाविदों तथा भारत और यूएई के संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे।

श्री प्रधान 10 सितंबर 2025 को अबू धाबी के शिक्षा एवं ज्ञान विभाग (एडीईके) की अध्यक्ष, महामहिम सुश्री सारा मुसल्लम से मुलाकात करेंगे। वे आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी परिसर का भी दौरा करेंगे। वहां वे अटल इनक्यूबेशन सेंटर (प्रथम विदेशी केंद्र) का उद्घाटन करेंगे और पीएचडी एवं बी.टेक. कार्यक्रमों का शुभारंभ करेंगे। मंत्री महोदय इस दौरान छात्रों और संकाय सदस्यों से भी बातचीत करेंगे।

बाद में वे अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर जाएंगे और सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय के दुबई परिसर की पहली वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लेंगे ।

सरस आजीविका मेले का केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह व मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में वोकल फॉर लोकल के संकल्प को मजबूती देने के साथ ही स्वदेशी अपनाने का प्रण लेते हुए वृहद सरस आजीविका मेले का औपचारिक शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित यह सरस आजीविका मेला मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, दिल्ली में 5 सितंबर से लगाया गया है, जो 22 सितंबर तक चलेगा। मेले में 400 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

रेल कर्मचारी की पुत्री पूजा कुमारी कॉम्बैट कुश्ती की चमकती सितारा

गुजरात से की शुरूआत, अब वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी

पश्चिम रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद में कार्यरत सामान्य सहायक श्री मनोज कुमार एवं श्रीमती अंजू देवी की सुपुत्री पूजा कुमारी ने कॉम्बैट कुश्ती में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। बिहार में जन्मीं पूजा वर्तमान में कर्नाटक से एमबीए की पढ़ाई कर रही हैं और उन्होंने अहमदाबाद (गुजरात) से अपने खेल करियर की शुरूआत की। कुश्ती का प्रशिक्षण उन्होंने पंजाब से प्राप्त किया।

पूजा ने अप्रैल 2024 में श्रीलंका में आयोजित एशियन चैंपियनशिप और मई 2024 में नेपाल में आयोजित साउथ एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का तिरंगा शान से लहराया। हाल ही में गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर लंदन में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

पूजा का कहना है, "मैट पर उतरने के बाद सिर्फ गोल्ड दिखता है, चाहे सामने कोई भी हो।" उनके इस सफर में परिवार, विशेषकर उनके पिता श्री मनोज कुमार और कोच मोनिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

गोरखपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 400 से अधिक खिलाड़ियों की उपस्थिति में पूजा सहित कई प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस अवसर पर खेलप्रेमियों ने कॉम्बैट कुश्ती को ओलंपिक में शामिल किए जाने की मांग भी दोहराई।

पूजा कुमारी की यह उपलब्धि न केवल रेलवे परिवार बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए गर्व का विषय है।

भाजपा युवा मोर्चा नेता का अश्लील वीडियो वायरल, जीत निशोदे को पद और सदस्यता से हटाया

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भाजपा युवा मोर्चा के अरेरा मंडल महामंत्री जीत निशोदे का एक महिला के साथ अश्लील वीडियो सामने आने से सियासी हलचल तेज हो गई है। यह वीडियो 9 सितंबर 2025 को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बयानों को निशाने पर लिया।

बढ़ते हंगामे के बीच भाजपा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जीत निशोदे को युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटा दिया। इस घटना ने भाजपा की छवि पर सवाल उठाए हैं और शिक्षा क्षेत्र से लेकर राजनीति तक भ्रष्टाचार और नैतिकता के मुद्दों को फिर से चर्चा में ला दिया है। आइए, इस घटना और इसके बाद की प्रतिक्रियाओं पर विस्तार से नजर डालते हैं।

वीडियो वायरल और भाजपा की कार्रवाई

बता दे कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें भाजपा युवा मोर्चा के अरेरा मंडल महामंत्री जीत निशोदे एक महिला के साथ अश्लील हरकतों में लिप्त नजर आए। वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गईं।

हंगामा बढ़ता देख भाजपा युवा मोर्चा ने तुरंत कार्रवाई की। अरेरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित ने जीत निशोदे को मंडल महामंत्री के पद से हटाने का आदेश जारी किया। इसके साथ ही, उनकी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी समाप्त कर दी गई। पुरोहित ने एक बयान में कहा, "भाजपा में अनुशासन और नैतिकता सर्वोपरि है। इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। जीत निशोदे को तत्काल प्रभाव से पद और सदस्यता से हटा दिया गया है।"

कांग्रेस का तीखा हमलाः 'क्या यही है भाजपा का चरित्र?'

कांग्रेस ने इस घटना को भाजपा पर हमला करने का मौका बनाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "भाजपा परंपरा और संस्कारों की बात करती है। हाल ही में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूसरी पार्टियों को चरित्र का सर्टिफिकेट बांटा था। अब वे बताएं कि क्या यही वह चरित्र है जिसका बखान वे करते हैं? क्या भाजपा अपने कार्यकताओं को ऐसी अश्लील हरकतें सिखाती है?"

पटवारी ने आगे कहा, "जो लोग दूसरों के मकान पर पत्थर फेंकते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि उनका मकान कितने कमजोर शीशे का बना है। भाजपा के नेताओं के सेक्स स्कैंडल सड़क से लेकर सदन तक सामने आ रहे हैं। कभी नेता पोर्न देखते पकड़े जाते हैं, तो कभी पोर्न बनाने में लिप्त

भावनगर टर्मिनस -पोरबंदर दैनिक पैसेन्जर ट्रेन को खोडीयार मंदिर स्टेशन पर मिला अतिरिक्त ठहराव

यह ट्रेन 11 सितम्बर (गुरूवार) से खोडीयार मंदिर स्टेशन पर रूकना शुरू करेगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 59560/59557 भावनगर टर्मिनस -पोरबंदर दैनिक पैसेन्जर ट्रेन को खोडीयार मंदिर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह सुविधा 11 सितम्बर, 2025 (गुरुवार) से प्रभावी होगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर मंडल श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसारः-

- ट्रेन संख्या 59560 भावनगर टर्मिनस -पोरबंदर दैनिक पैसेन्जर भावनगर टर्मिनस से प्रतिदिन दोपहर 15:00 बजे प्रस्थान करती है और उसी दिन रात 22:10 बजे पोरबंदर पहुंचती है।
- इस ट्रेन का खोडीयार मंदिर स्टेशन पर आगमन समय 15:20 बजे तथा प्रस्थान समय 15:21 बजे होगा।
- वापसी में ट्रेन संख्या 59557 पोरबंदर -भावनगर टर्मिनस दैनिक पैसेन्जर प्रतिदिन पोरबंदर से सुबह 07:30 बजे प्रस्थान करती है और उसी दिन दोपहर 14:30 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचती है।
- इस ट्रेन का खोडीयार मंदिर स्टेशन पर आगमन समय 13:24 बजे तथा प्रस्थान समय 13:25 बजे होगा।

यात्रियों की सुविधा हेतु इस ट्रेन के ठहराव, संरचना एवं समयसारणी से संबंधित विस्तृत जानकारी भारतीय रेलवे की वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर उपलब्ध है।

कांग्रेस-आरजेडी कितनी सीटों पर लड़ेगी चुनाव? सीट शेयरिंग से उम्मीदवारी तक, बैठक में सब होगा फाइनल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर सियासत गरमा गई है। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास आज (09 सितंबर) शाम अहम बैठक हो रही है। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और कई वरिष्ठ नेताओं ने सीट शेयरिंग और संभावित उम्मीदवारों पर मंथन किया जा रहा है।

बैठक में सीट शेयरिंग से उम्मीदवारी तक पर बात की जाएगी। कांग्रेस, फ्खऊ जेएमएम और अन्य सहयोगी पार्टियों को कितनी सीटें दी जानी है, इस बैठक में सब फाइनल होने की संभावना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने साफ कहा कि सीटों पर चर्चा क्ठऊक्रअ गठबंधन स्तर पर हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस अपने नेताओं से मार्गदर्शन लेकर ही रणनीति बनाएगी। वहीं, प्रभारी अल्लावरू ने दोहराया कि "हर साथी दल का सम्मान होना चाहिए और कांग्रेस इसी दिशा में काम करेगी।" 10 सितंबर को भी कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होनी है।

कांग्रेस की मांग, 60-70 सीटें, फ्खऊ नहीं देना चाहती 50 से ज्यादा

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस की मांग करीब 60 सीटों की है, जबकि आरजेडी उसे 50 सीटों पर सीमित रखना चाहती है। पिछली बार कांग्रेस ने 70 सीटों पर लड़कर सिर्फ 19 जीती थीं, इसलिए इस बार दबाव बढ़ा है। वीआईपी, सीपीआई(एमएल) और अन्य सहयोगी दलों की बढ़ी मांग के चलते कांग्रेस के हिस्से में सीटें कम हो सकती हैं।

हाल ही में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा ने कांग्रेस को नया आत्मविश्वास दिया था। यात्रा में तेजस्वी यादव भी शामिल हुए, लेकिन सारा क्रेडिट कांग्रेस और राहुल गांधी के खाते में गया। यही वजह है कि कांग्रेस ज्यादा सीटों पर दावेदारी कर रही है।

गठबंधन सूत्रों का कहना है कि फ्खऊ लगभग 140 सीटों पर लड़ना चाहती है, वाम दल 30 से ज्यादा और

वीआईपी 25 सीटें मांग रहे हैं। जेएमएम और पशुपति पारस की पार्टी को भी समायोजित किया जाएगा। ऐसे में कांग्रेस को फिलहाल 50 सीटें ही मिलती दिख रही हैं।

अब सबकी निगाहें 10 सितंबर पर टिकी हैं, जब कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी करीब दो दर्जन संभावित उम्मीदवारों पर मुहर लगाएगी। बड़ा सवाल यही है-क्या आरजेडी झुकेगी और कांग्रेस को मनमाफिक सीटें मिलेंगी, या फिर महागठबंधन में अंदरूनी खींचतान तेज होगी?

महागठबंधन सीट शेयरिंग की संभावित तस्वीर

RJD को लगभग 136 सीटें मिल सकती हैं - जो कि उनकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी होगी।

कांग्रेस को 52 सीटों की संभावना है।

वाम दल (CPI-ML, CPI, CPM) को मिल सकती हैं 31-33 सीटें

VIP (मुकेश सहनी) को 20-22 सीटें मिल सकती हैं

RLJP (पशुपति पारस) को 5-7 सीटें आवंटित की जा सकती हैं

JMM (हेमंत सोरेन) को 2-3 सीटें मिलने की उम्मीद है

सागर लोकायुक्त ने टीकमगढ़ में 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते दो आरोपियों को पकड़ा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम में लोकायुक्त पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 9 सितंबर 2025 को सागर लोकायुक्त इकाई ने टीकमगढ़ जिले के पलेरा तहसील में सीएम राइज स्कूल में 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक (लोकायुक्त) योगेश देशमुख के जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पकड़े गए आरोपियों में एक सहायक शिक्षक और एक भृत्य शामिल हैं, जिन्होंने निलंबन अवधि के बकाया वेतन के भुगतान के लिए रिश्वत की माँग की थी। इस कार्रवाई ने शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार की गहरी जड़ों को उजागर किया है, जिससे सामाजिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

ट्रैप कार्रवाईः रंगे हाथों गिरफ्तारी

9 सितंबर 2025 को सागर लोकायुक्त इकाई ने सीएम राइज स्कूल, पलेरा में एक सुनियोजित ट्रैप ऑपरेशन के तहत 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक (लोकायुक्त), सागर के

नेतृत्व में निरीक्षक रंजीत सिंह और उनकी ट्रैप टीम द्वारा अंजाम दी गई। ट्रैप टीम में निरीक्षक कमल सिंह उईके और अन्य सदस्य शामिल थे।

घटना की पूरी कहानी

अनिल कुमार खरे, जो माध्यमिक विद्यालय बेला में सहायक शिक्षक हैं, को जनवरी 2023 में नए स्कूल में प्रभार न लेने के कारण निलंबित किया गया था। जुलाई 2023 में उनकी बहाली हुई, लेकिन उनकी निलंबन अवधि का बकाया वेतन (लगभग 2.5 लाख रुपये) उनके खाते में जमा नहीं हुआ। इस बकाया वेतन को जल्दी ट्रांसफर करवाने के लिए कैलाश कुमार खरे (सहायक शिक्षक, सीएम राइज स्कूल) और शंकरलाल कटारे (भृत्य, माध्यमिक विद्यालय टोरिया) ने 5 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की।

अनिल कुमार खरे ने इस मांग को अस्वीकार करते हुए लोकायुक्त कार्यालय, सागर में शिकायत दर्ज की। पुलिस अधीक्षक (लोकायुक्त), सागर ने निरीक्षक रंजीत सिंह को शिकायत के सत्यापन का आदेश दिया। सत्यापन के दौरान आरोपियों ने रिश्वत की राशि को 2 लाख रुपये तक कम किया और अंततः 1 लाख रुपये लेने पर सहमत हुए।

9 सितंबर 2025 को सीएम राइज स्कूल, पलेरा में लोकायुक्त की टीम ने ट्रैप ऑपरेशन शुरू किया। जैसे ही अनिल कुमार खरे ने 1 लाख रुपये की रिश्वत आरोपियों को दी, निरीक्षक रंजीत सिंह और उनकी टीम ने दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (लोकायुक्त), सागर ने बताया, "आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 13(1)(f) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उनकी संपत्तियों और बैंक खातों की जाँच शुरू हो चुकी है।"

'एकता राहुल गांधी जी की खत्म?', उपराष्ट्रपति चुनाव में राधाकृष्णन की जीत पर निशिकांत दुबे का आया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

देश के उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शानदार जीत दर्ज की है। मंगलवार, 9 सितंबर 2025 को घोषित हुए नतीजों के बाद उन्हें कुल 452 वोट मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोटों से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ ही सीपी राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने इस जीत पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह "नक्सलवादी सोच की हार" है।

विपक्ष टुकड़ों-टुकड़ों में बंट गया

निशिकांत दुबे ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष "टुकड़ों-टुकड़ों में बंट गया" है। दुबे ने यह भी दावा किया कि एनडीए उम्मीदवार को विपक्ष के

15 वोट मिले, जबकि 15 विपक्षी सदस्यों ने अपने वोट बर्बाद कर दिए। उन्होंने प्रश्न किया, "एकता राहुल गांधी जी की खत्म हुई?"

उपराष्ट्रपति चुनाव में 15 वोट रद्द कर दिए गए?

उपराष्ट्रपति चुनाव के कुल आंकड़ों के अनुसार, कुल 767 वोट पड़े, जिनमें से 752 वैध पाए गए और 15 वोट रद्द कर दिए गए। लोकसभा और राज्यसभा में कुल 788 सांसद हैं, जिनमें से सात सीटें रिक्त थीं, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या 781 थी। बीजू जनता दल (बीजेडी), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और शिरोमणि अकाबि अकाली दल जैसे कुछ दलों ने इस चुनाव से दूर रहने का निर्णय लिया था।

कौन से भागकर हमको यानि NDA प्रत्याशी को वोट दे दिए?

एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में, निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तंज कसा, "मिले तो 300 ही, 15 लोग कौन से भागकर हमको यानि ठऊअ प्रत्याशी को वोट दे दिए? भाई आपके तो जनता के साथ नेता भी भाग गए।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उपराष्ट्रपति चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से नहीं, बल्कि मतपत्रों (बैलेट पेपर) के माध्यम से संपन्न हुआ।

फ्रीूर्ड्डेल्लिीि त्र्क्ष्१ ङ्म४

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्ठऊक्रअ गठबंधन को लगा तगड़ा झटका, जमकर हुई क्रॉस वोटिंग, ठऊअ को मिले उम्मीद से अधिक वोट

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्ठऊक्रअ गठबंधन को लगा तगड़ा झटका, जमकर हुई क्रॉस वोटिंग, ठऊअ को मिले उम्मीद से अधिक वोट

गौरतलब है कि मतदान प्रक्रिया मंगलवार सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे समाप्त हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित 760 से अधिक सांसदों ने इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

संकर्षण ठाकुरः भारतीय पत्रकारिता का निर्भीक, सटीक और सरल हस्ताक्षर, बिहार से विश्व तक रहेगी जिसकी अमिट छाप

(जीएनएस)।

ले बलैय्या...! संकर्षण ठाकुर नहीं रहे। "ले बलैय्या..." मैथिली की आम बोलचाल में कहा जाने वाले इस विस्मयादिबोधक पद को वर्षों तक अपना व्हाट्सऐप स्टेटस बनाकर रखने वाले देश के शीर्षस्थ पत्रकारों में से एक संकर्षण ठाकुर के निधन पर शोक के साथ यह स्टेटस याद हो आया। कुछ नाम ऐसे होते हैं जिनकी उपस्थिति विदा होने के बाद भी लंबे समय तक महसूस होती रहती है। संकर्षण ठाकुर उन्हीं में से एक थे। एक ऐसे पत्रकार, जिनकी कलम ने न केवल अपने समय की सियासत को नए कोण से समझाया बल्कि आने वाले समय की आहटें भी बेहद सटीकता से पकड़ीं, अब हमारे बीच नहीं हैं।

जीवन के अंतिम समय तक द टेलीग्राफ समूह के एडिटर इन चीफ रहे ठाकुर पत्रकारिता में अमूल्य ख्याति छोड़कर वे इस संसार से कूच कर चुके हैं। तेज चमक-दमक वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उफान के दौर में भी वे हमेशा प्रिंट मीडिया की गंभीरता को चुना। वो कहते थे कि खबरें सतही नहीं, गहरी होनी चाहिए, और पत्रकार को शोर नहीं, असर छोड़ना चाहिए। आज पत्रकारिता का वो इंस्टीच्युशन इस विधा पर अपना गहरा असर छोड़कर जा चुका है।

रंल्ल'१२ँल्ल ळँ४१ ळ्रे'ल्ली

पत्रकारिता में सर्वोपरी नैतिकता

संकर्षण ठाकुर का नैतिक बल अदम्य था। व्यवसायिकता के इस दौर में भी उन्होने पत्रकार की गरिमा और नैतिकता को सर्वोपरी रखा। 2015 के बिहार चुनाव कवरेज के दौरान का एक वाकया है। देश के इतने बडे पत्रकार को मैदान में देख कई पार्टियाँ लॉजिस्टिक्स सुविधा उपलब्ध करवाना चाहती थी। संकर्षण ठाकुर अपने जुनियर्स को प्यार से समझाते थे, "आज किसी नेता की गाड़ी पर चढोगे तो कल वो माथे पर चढ जाएगा।

उनका यही नैतिक बल था कि किसी भी राजनीतिक शक्ति के सामने उन्होंने अपनी कलम को झुकने नहीं दिया। 90 के दशक से लेकर 2000 के शुरूआती वर्षों में बिहार की सत्ता में लालू प्रसाद यादव वर्चस्व और निरंतर हो रहे अपराध ने माननीय न्यायालय को भी "जंगलराज" कहने पर मजबूर कर दिया था। उस दौर में जहाँ लोग ऑन रिकॉर्ड कुछ बोलने से भी डरते थे, संकर्षण ठाकुर ने उन्हीं दिनों बिहार में अराजकता पर बोल्ड किताब लिख दिया - " सबल्टन साहेबः बिहार एंड दी मेकिंग ऑफ लालू यादव"। इतनी निर्भीकता उच्च नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही से ही आती है।

राजनीतिक पत्रकारिता और अचूक अनुमान

भारत की राजनीति को तुरंत पढ़ लेना और उसके संकेतों को दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में समझना संकर्षण ठाकुर की सबसे खास क्षमता थी। उनकी लेखनी में न तो विचारधारा की अंधभक्ति थी, न ही नेताओं की चापलूसी। वे सत्ताधारी नेताओं के लिए असुविधाजनक और विरोधियों के लिए असहज करने वाले सवाल पूछते थे।

उनका सबसे चर्चित योगदान यह रहा कि वे पहले पत्रकार थे जिन्होंने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताया था। यह 2002 के आसपास की बात है, जब गुजरात दंगों के बाद नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय विमर्श में विवाद के केंद्र थे। उस समय अधिकांश पत्रकार उनकी राजनीतिक संभावनाओं को नजरअंदाज कर रहे थे, लेकिन संकर्षण ठाकुर ने लिखा कि मोदी की राजनीति केवल गुजरात तक सीमित नहीं रहेगी। लगभग बारह साल बाद उनकी यह भविष्यवाणी सच साबित हुई।

इसी तरह 2014 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद जब बिहार विधानसभा चुनाव की बारी आई, तो संकर्षण ठाकुर ने दो टूक कहा कि भाजपा किसी भी हालत में बिहार चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पाएगी। उस समय पूरे देश के विश्लेषक और सर्वेक्षण यह बता रहे थे कि मोदी लहर बिहार को भी बहा ले जाएगी। लेकिन ठाकुर डटे रहे। 2015 में चुनाव परिणाम आने पर उनकी भविष्यवाणी अक्षरशः सही साबित हुई। भाजपा उतनी ही सीटों पर सिमट गई जितनी कि उन्होंने अनुमान लगाई थी। पत्रकारिता में इस तरह की दूरदर्शिता बहुत कम देखने को मिलती है।

देश की राजनीति की नब्ज पहचानने वाले ठाकुर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक मामलों पर भी अत्यंत पैनी नजर रखते थे। कश्मीर की राजनीतिक समस्या की परख और विश्लेषण में उन्हे महारत हासिल थी। वर्ष 2003 में कश्मीर पर रिसर्च के लिए उन्हें अप्पन मेनन फेलोशिप दिया गया था। इसके अतिरिक्त वर्ष 2001 में राजनीतिक रिपोर्टिंग के लिए उन्हें प्रेम भाटिया पुरस्कार से नवाजा गया था।

ठाकुर की लेखन-शैली

संकर्षण ठाकुर के लेख केवल खबर भर नहीं होते थे। वे शब्दों से एक दृश्य खड़ा करते थे। राजनीति की भीतरी चालों, नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और जनता की उम्मीदों को वे ऐसे पिरोते कि पाठक को लगता जैसे आंखों के सामने एक पूरा नाटक चल रहा हो।

एशिया कप 2025: 'शर्मनाक हरकत', भारत को धमकी देने वाले मोहसिन नकवी से एसकेवाई ने मिलाया हाथ, हुए ट्रोल

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 (अ२ं उ४स्र 2025) शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसके बाद फैंस उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी से एक मुलाकात सूर्यकुमार यादव पर भारी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

मोहसिन नकवी ने सूर्या ने मिलाया हाथ

इन दोनों का हाथ मिलाने वाला वीडियो जैसे ही सामने आया, भारतीय फैंस का बड़ा वर्ग नाराजगी जताने लगा और कप्तान को ट्रोल करने लगा। दरअसल, मोहसिन नकवी पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर भी हैं और हाल ही में भारत विरोधी बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे। खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा है। ऐसे माहौल में सूर्यकुमार का उनसे हाथ मिलाना कई भारतीयों को नागवार गुजरा।

बीसीसीआई पर भी उठे सवाल

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि जब सीमा पर हमारे जवान शहीद हो रहे हैं, तब क्रिकेट कप्तान को इतनी सहजता से दुश्मन देश के नेता से हाथ नहीं मिलाना चाहिए। कई लोगों ने इसे शर्मनाक हरकत बताते हुए बीसीसीआई पर भी सवाल खड़े किए। एक यूजर ने लिखा कि ये तस्वीर सबसे घटिया है, हमारे खिलाड़ियों को थोड़ी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

कुछ फैंस ने किया सपोर्ट

वहीं, कुछ ने कहा कि मोहसिन नकवी वही शख्स हैं जिन्होंने भारत को परमाणु हमले की धमकी दी थी, ऐसे में उनसे हाथ मिलाना सही संदेश नहीं देता। हालांकि, कुछ लोगों ने इस पल को खेल भावना से जोड़कर देखा। उनका कहना है कि क्रिकेट सिर्फ मुकाबला नहीं बल्कि आपसी सम्मान और एकता का प्रतीक है। एक यूजर ने लिखा कि ये हैंडशेक दिखाता है कि खेल रिश्ते बिगाड़ने नहीं बल्कि जोड़ने का काम करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

ओली सरकार का पतन

नेपाल में काफी दिन पहले से बड़े पैमाने पर पनप रहे विरोध प्रदर्शनों का ही परिणाम है कि वहां के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों को त्याग पत्र देना पड़ा तथा जो त्याग पत्र देने की हिम्मत नहीं जुटा पाए उन्हें प्रदर्शनकारियों के हाथों पिटना पड़ा। देश की सत्ता सेना ने संभाल ली और सोशल मीडिया ऐप बहाल कर शांति स्थापित करने के लिए युवकों से अपील की है। प्रदर्शन का स्वरूप सोमवार को अत्याधिक उग्रा हुआ तो पुलिस ने फायरिग करके 20 लोगों को मार डाला। आंदोलन का सामान्य कारण तो यही बताया जा रहा है कि सरकार द्वारा सोशल मीडिया ऐप पर बैन लगाए जाने से जेन जी यानि 1997-2012 तक के जन्में युवा और विद्याथा नाराज हो गए। दरअसल दिख तो रहा है कि मात्र दो दिन के प्रचण्ड विरोध प्रदर्शन में नेपाल की सरकार गिर गईं किन्तु वास्तविकता यह है कि इस पर्वतीय देश में सरकार के खिलाफ हर वर्ग आवाज उठाता रहा है। इसका एक ही कारण है कि नेपाल में कम्युनिस्ट नेताओं के हाथ में ही सत्ता घूम फिर कर रही और वे आवंठ भ्रष्टाचार में डूब गए। पूर्व महाराजा ज्ञानेन्द्र के समर्थकों ने सरकार के खिलाफ लगातार आंदोलन करके देशवासियों ने इस बात का एहसास करा दिया कि ओली सरकार न सिर्प भ्रष्ट है बल्कि निकम्मी और निठल्ली भी है। इसलिए उन्होंने मांग की थी कि उन्हें दोबारा राजशाही चाहिए। अभी मार्च 2025 में ही तो ह्यहमी नेपालह्ल नाम की एनजीओ बनी थी जिसके कर्ताधर्ता सूदन गुरूंग हैं। राज परिवार के निकटवता संबंधी काठमांडु के मेयर बालेन्द्र शाह ने इस आंदोलन को समर्थन दिया। ये दोनों ही राजशाही और हिन्दुत्व के समर्थक माने जाते हैं। यदि नेपाल की जनता लोकतंत्र को छोड़कर राजशाही की मांग कर रही है तो निाित तौर पर इसका अर्थ यह नहीं है कि लोकतंत्र से अच्छा राजतंत्र है। इसका तो सीधा और सरल मतलब यही है कि जिन लोगों के हाथों में सत्ता की बागडोर सौंपी गईं वे नागरिकों के प्रति अपने राजधर्म को निभाने में असफल रहे। तभी नागरिकों के लिए निष्ठुरता और लापरवाही करते रहे। अटकलें लगाईं जा रही हैं कि नेपाल में जो वुछ भी हुआ, उसके पहले यह श्रीलंका, बांग्लादेश में हो चुका है। अटकलें यह भी लगाईं जा रही है कि ओली एससीओ यानि शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने चीन गए थे और वहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिग से भी मिले थे। फिर उन्होंने चीन के बाद भारत यात्रा की भी योजना बनाईं थी। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका ने ओली के खिलाफ कोईं षडांत्र करके वहां की सरकार गिरा दी। अटकलों का आधार देखने में तो सही लगता है किन्तु जरूरी नहीं कि वह सत्य हो। किन्तु इस बात से इंकार तो नहीं किया जा सकता कि नेपाल में अमेरिकी हितों के खिलाफ और चीन के हितों के लिए ओली सरकार ने लगातार पैसले किए। 42000 करोड़ डालर का निवेश अमेरिकी है नेपाल में लेकिन ऐप बन्द किया गया अमेरिका का, जबकि चीन के ऐप पर कोईं पाबंदी नहीं लगाईं गईं। इसलिए यदि यह अनुमान लगाया जा रहा है कि नेपाल में ओली सरकार को उखाड़ पेंकने में अमेरिका शामिल है तो इसे पूरी तरह नाकार भी नहीं जा सकता। अपना तो मानना है कि ओली के पतन का कारण खुद ओली ही हैं। उन्होंने झूठ और फरेब का ऐसा लबादा ओढ़ रखा था जो उन्हें सौम्य, संवेदनशील एवं राष्ट्रभक्त राजनेता की तरह प्रदर्शित तो करता था किन्तु वह चरित्र से षडांत्रकारी और स्वाथा व्यक्ति हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ आधारहीन माहौल बनाकर संसद में उत्तराखंड राज्य की लिपुलेख यानि भारतीय जमीन को अपना बताने के लिए प्रस्ताव पारित करा लिया। लेकिन फिर भी भारत ने नेपाल के प्रति किसी भी तरह न तो कड़ी प्रतिव्रिया दी और न ही उसको प्रतिवर्ष दिए जाने वाले अनुदान में कटौती की। आज नेपाल की जनता सब वुछ समझती है। वह डपरोशंख नहीं है। उसे सब वुछ पता है कि ओली ने अपने स्वार्थ के लिए नेपाल के आंशिक इस्लामीकरण के लिए खाड़ी देशों से भारी भरकम रिश्वत ले ली है। ओली चीन से भी तमाम व्यक्तिगत लाभ ले चुके हैं। अब आंदोलनकारी बालेन्द्र शाह को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ नेपाल में क्रांति, कैसे नई पीढ़ी ने बदली दक्षिण एशिया की राजनीति?

नेपाल इस समय भारी राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। शुरूआती दौर में यह मामला केवल युवाओं की सोशल मीडिया तक सीमित नाराजगी माना जा रहा था, लेकिन धीरे-धीरे यह आंदोलन एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले चुका है। शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुए प्रदर्शनों ने हिंसक रुख ले लिया और आखिरकार प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा।

दरअसल, नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों पर नए नियम थोपते हुए इसे "राष्ट्रीय हित की रक्षा" का कदम बताया। सरकार का दावा था कि इन प्लेटफॉर्म्स से राजस्व और नियंत्रण प्राप्त करना जरूरी है। लेकिन युवाओं ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला माना।

देखते ही देखते इस आंदोलन की आंच टिक-टॉक (जो बैन नहीं था) पर वीडियो और हैशटैग ट्रेंड करने लगे। इन वीडियोज ने नेताओं के बच्चों की ऐशो-आराम भरी जिंदगी और आम युवाओं की कठिनाइयों के बीच अंतर को उजागर किया।

भ्रष्टाचार और "नेपो किड्स" के खिलाफ त्रील्ल का आक्रोश

युवाओं का गुस्सा सोशल मीडिया से आगे बढ़कर था। जिसमें भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ त्रील्ल ने खुल कर सड़कों पर उतरें। हाल ही में नेपाल एयरलाइंस द्वारा विमानों की खरीद में सामने आए भ्रष्टाचार की रिपोर्ट ने आग में घी का काम किया। इसके साथ ही भारत के साथ नेपाल के बिगड़ते रिश्ते भी वहां की जनता के हक में नहीं थे। वहीं नेपाल का चीन के साथ लगाव बढ़ता जा रहा था जिससे नेपाली नागरिक सरकार से खफा थे।

9 सितंबर 2025 को काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ टायर जलाए और पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। पुलिस की सख़्ती में कई प्रदर्शनकारी मारे गए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्षी नेताओं के घरों पर भी हमला किया। यहां तक कि कभी माओवादी आंदोलन का चेहरा रहे पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' के घर पर भी हमला हुआ।

दक्षिण एशिया में युवाओं के आंदोलन ने बदली तस्वीर

दक्षिण एशिया के कई देशों में हाल के सालों में युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने सत्ता के ढांचे को हिला कर रख दिया है। चाहे बात बांग्लादेश की हो या श्रीलंका की, नई पीढ़ी ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और कुप्रबंधन के खिलाफ सड़क पर उतरकर बड़ा बदलाव ला दिया।

बांग्लादेशः शेख हसीना को छोड़ना पड़ा देश

बांग्लादेश में जुलाई 2024 में छात्रों और युवाओं ने सरकारी नौकरियों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को मिलने वाले विवादित कोटे के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। यह आंदोलन धीरे-धीरे भ्रष्टाचार और सत्ता में परिवारवाद के खिलाफ बड़े जनांदोलन में बदल गया। स्थिति इतनी बिगड़ी कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा।

देश में अंतरिम व्यवस्था के लिए सेना और बिखरे हुए युवा नेतृत्व ने नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया। इस दौरान अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले और सांप्रदायिक हिंसा की भी खबरें आईं, लेकिन मुख्य मुद्दे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और युवाओं की हताशा ही रहे।

श्रीलंका में 'गो होम गोटा' आंदोलन की शुरूआत और फिर हुआ सत्ता परिवर्तन

हमने देखा कैसे पड़ोसी देश श्रीलंका में 2022 में युवाओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा किया। देश में आर्थिक कुप्रबंधन ने हालात को इतना खराब कर दिया कि खाने-पीने की चीजों और ईंधन की भारी कमी हो गई। रोजाना बिजली कटौती और महंगाई ने जनता का गुस्सा भड़का दिया।

प्रदर्शन का नेतृत्व नई पीढ़ी ने किया, जो किसी पारंपरिक राजनीतिक दल से नहीं जुड़ी थी। आंदोलन इतना व्यापक हो गया कि तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और उनके परिवार को सत्ता छोड़नी पड़ी। सरकार ने सोशल मीडिया पर रोक लगाने की कोशिश की, लेकिन #GoHomeGota जैसे हैशटैग ने पूरी दुनिया में आंदोलन को आवाज दे दी।

श्रीलंका में 2024 में हुए चुनावों में लेफ्ट गठबंधन के नेता अनुरा कुमारा डिसानायके ने सत्ता संभाली। चुनाव परिणामों में यह साफ दिखा कि युवाओं का आक्रोश अब संसद तक पहुंच चुका है। संसद में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएं और पहली बार चुने गए सांसद पहुंचे।

क्या है नेपाल का राजनीतिक भविष्य?

कई मीडिया रिपोर्टस की मानें तो नेपाल में आंदोलनकारियों का दावा है कि वे किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं। वे इसे पूरी तरह गैर-राजनीतिक आंदोलन बता रहे हैं। यही कारण है कि भविष्य की राह और भी जटिल हो सकती है। भारत ने नेपाल में हुई हिंसा और मौतों की निंदा की है

केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार और आर्द्रभूमि शहर मान्यता समारोह 2025 के तहत शहरों को पुरस्कार प्रदान किए

पर्यावरण मंत्रालय ने स्वच्छ वायु उपलब्धियों के लिए 11 सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करने वाले एनसीएपी शहरों को सम्मानित किया

एनसीएपी पुरस्कार 2025 के तहत वायु गुणवत्ता में इंदौर, जबलपुर, आगरा और सूरत देश में अग्रणी

आर्द्रभूमि शहर मान्यता : इंदौर और उदयपुर को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई

130 भारतीय शहरों में स्वच्छ वायु और हरित बुनियादी ढांचे के लिए 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए गए

प्रधानमंत्री के विजन ने शहरों को प्रेरित किया: राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम ने 103 शहरी केंद्रों में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित किया: श्री भूपेंद्र यादव

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण: व्यापक प्रभाव के लिए वार्षिक स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का वार्ड स्तर तक विस्तार किया जाएगा

देश भर में शहरी वायु गुणवत्ता पहलों का मार्गदर्शन करने के लिए सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का संग्रह जारी किया गया

केंद्रीय मंत्री ने प्रत्येक नागरिक के लिए सतत विकास और स्वच्छ वायु के मिशन को दोहराया

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री की उपस्थिति में आज पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (ईएफएंडसीसी) द्वारा स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार और वेटलैंड शहर मान्यता समारोह 2025 का आयोजन किया गया। ईएफएंडसीसी ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत 130 शहरों में आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 के तहत सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करने वाले शहरों को पुरस्कृत किया है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम 15 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक शक्तिशाली संदेश के साथ शुरू हुआ। प्रधानमंत्री ने एकीकृत और आधुनिक दृष्टिकोण के माध्यम से मिशन मोड में प्रदूषण को कम करने के लिए 100 शहरों में कदम उठाने की अपील की।

श्री यादव द्वारा की गई अपील के अनुसार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का क्रियान्वयन कर रहा है, जो योजना निर्माण से वास्तविक कार्रवाई की ओर अग्रसर है और इसके परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत 130 एनसीएपी शहरों में से ग्यारह सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करने वाले शहरों को स्वच्छ वायु के मिशन को आगे बढ़ाने में उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और नवोन्मेषण का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण एक कठिन, बहु-स्तरीय मूल्यांकन तंत्र के रूप में संरचित है, जो राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत यथोचित परिश्रम पर आधारित है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण एनसीएपी के तहत 130 शहरों में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है ताकि वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए त्वरित कार्रवाई करने हेतु शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जा सके।

निम्नलिखित शहरों को ईएफएंडसीसी मंत्री द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए:

श्रेणी-1 (10 लाख से अधिक जनसंख्या):

इंदौर ने 200 में से 200 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इंदौर ने पिछले वर्ष 16 लाख से अधिक पौधे लगाए, जिससे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ। यहां सार्वजनिक परिवहन के लिए 120 इलेक्ट्रिक बसें और 150 सीएनजी बसें उपलब्ध हैं।

जबलपुर ने 200 में से 199 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। जबलपुर ने 11 मेगावाट अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है और हरियाली विकसित की है।

आगरा और सूरत ने 200 में से 196 अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रत्येक शहर को 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया है। आगरा ने पुराने कचरा डंप स्थलों का सुधार किया है और मियावाकी वृक्षारोपण किया है। सूरत ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और कर लाभ प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू की है और 38 प्रतिशत

उपराष्ट्रपति चुनाव में इण्डिया गठबंधन को लगा तगड़ा झटका, जमकर हुई क्रॉस वोटिंग, राजग को मिले उम्मीद से अधिक वोट

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने भारत के उपराष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी और इंडिया गठबंधन के बी. सुदर्शन रेड्डी को हराया है।एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन को 452 वोट मिले वहीं दूसरी ओर, विपक्षी उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट ही हासिल हुए।

इस जीत के साथ, एनडीए ने लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन को बड़ा झटका लगा है क्योंकि इस चुनाव में जमकर क्रॉस वोटिंग हुई है।

सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दावा किया कि 14 सांसदों ने क्रॉस-वोटिंग की, जिससे एनडीए को अतिरिक्त लाभ मिला। उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी गठबंधन ने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन संख्या बल में वे एनडीए से पीछे रह गए। इस चुनाव में जीत के लिए 392 वोटों की आवश्यकता थी, जिसे राधाकृष्णन ने आसानी से हासिल कर लिया।

मंगलवार को हुए चुनाव में कुल 767 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें से 15 वोट अमान्य घोषित किए गए। कुल 782 सांसदों को मतदान का अधिकार था। विपक्षी दलों से मिले 14 वोटों को एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, खासकर तब जब 15 वोट अमान्य हो गए।

एनडीए के पास अपने सांसदों के अलावा क्रॉस-वोटिंग का भी लाभ रहा। एनडीए की कुल संख्या 427 थी, जिसमें वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों के जुड़ने से यह 438 हो गई। इसके अतिरिक्त, 14 अतिरिक्त वोट क्रॉस-वोटिंग के जरिए सीपी राधाकृष्णन के खाते में आए।

यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के जुलाई में स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद आयोजित किया गया था। संसद परिसर के वसुंधरा भवन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान चला, जिसमें संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने भाग लिया।

विपक्ष ने अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा था, ताकि एक मजबूत संदेश दिया जा सके। हालांकि, एनडीए ने अपनी रणनीति के तहत क्रॉस-वोटिंग के माध्यम से विपक्ष के वोट बैंक में सेंध लगाई और 452 वोट हासिल किए।

सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट करने की अपील की थी, जिसका परिणाम कुछ क्रॉस-वोटिंग के रूप में सामने आया और एनडीए को लाभ मिला।

इस चुनाव में 15 वोट अमान्य पाए गए, जो कुल वोटों का लगभग 2 प्रतिशत है। इससे साफ है कि सांसदों ने मतदान प्रक्रिया में या तो गलतियाँ कीं या जानबूझकर इनवैलिड वोट डाले। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में ऐसे चुनावों में अमान्य वोटों की संख्या कम करने के लिए सांसदों को उचित मतदान प्रक्रिया का व्यापक प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है।

जीएसटी अगली पीढ़ी के सुधार मांग बढ़ाएंगे, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देंगे, रोजगार के अवसर सृजित

डिजिटल विकास और सस्ती आईसीटी हार्डवेयर उपलब्ध कराने के लिए एयर कंडीशनर, टीवी, मॉनिटर, प्रोजेक्टर और पावर बैंक पर कम जीएसटी दर

(जीएनएस)।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल ही में किए गए अगली पीढ़ी के सुधारों से इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत आने वाले क्षेत्रों, खासतौर पर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और आईसीटी हार्डवेयर (कंप्यूटर, सर्वर, राउटर, स्विच, कीबोर्ड, मॉनिटर, प्रिंटर, स्कैनर, स्मार्टफोन और अन्य सभी संबंधित उपकरण) को बढ़ावा मिलेगा। दरों में कटौती से लोगों को सस्ती दर पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद मिलेंगे, साथ ही घरेलू विनिर्माण को मजबूती मिलेगी, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और स्टार्ट-अप्स को समर्थन मिलेगा, जिससे डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

घरेलू इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के विनिर्माण को बढ़ावा

एयर कंडीशनर, डिशवॉशर और बड़े स्क्रीन वाले टेलीविजन (एलसीडी और एलईडी) जैसी उपभोक्ता वस्तुओं पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किये जाने से सस्ती दर पर वस्तु उपलब्ध होने से घरेलू मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे कंप्रेसर, डिस्प्ले और सेमीकंडक्टर जैसे घटकों में मजबूत बैकवर्ड लिंकेज (उद्योग को अपने उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री के लिए आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध) बनने की संभावना है, और प्लास्टिक, वायरिंग, कूलिंग सिस्टम, एलईडी पैनल और असेंबली सेवाओं से जुड़े एमएसएमई के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। ये सुधार स्थानीय विनिर्माण को भी बढ़ावा देंगे, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी। डिशवॉशर पर जीएसटी में कटौती से घरेलू जीवन स्तर भी बेहतर होगा।

डिजिटल विकास और सस्ते आईसीटी हार्डवेयर की उपलब्धता

मॉनिटर और प्रोजेक्टर (गैर-टीवी) पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों और डिजिटल शिक्षण केंद्रों की व्यय लागत कम होगी। सस्ते आईसीटी हार्डवेयर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देगा। इसी तरह इलेक्ट्रिक संचायकों (गैर-लिथियम-आयन, पावर बैंक सहित) पर जीएसटी 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत करने से ऊर्जा भंडारण समाधान सस्ती दर पर उपलब्ध होंगे, डिजिटल उपकरणों के लिए बैकअप पावर में सुधार आएगा और घरों और कार्यस्थलों पर ऊर्जा कुशल प्रणालियों को अपनाने का प्रोत्साहन मिलेगा।

जीएसटी में कमी से आंतरिक सुरक्षा संचार ढांचा भी सुदृढ़ होगा। दो-तरफा रेडियो (वॉकी-टॉकी) पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है, जिससे पुलिस, अर्धसैनिक बलों और रक्षा बलों की खरीद लागत कम आएगी।

नवीकरणीय ऊर्जा और संवहनीयता को बढ़ावा

नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और सौर फोटोवोल्टिक सेलों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है, जिससे घरेलू और औद्योगिक, दोनों स्तरों पर नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। कम्पोस्टिंग मशीनों पर भी अब 12 प्रतिशत की बजाय 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जिससे अपशिष्ट से ऊर्जा समाधानों और कम्पोस्टिंग तकनीकों को प्रोत्साहन मिलेगा और संधारणीय तथा स्मार्ट शहरों के निर्माण की परिकल्पना सुगमता से आगे बढ़ेगी।

जीएसटी सुधारों से भारत के इलेक्ट्रॉनिकी और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति मिलने की संभावना है। मांग को बढ़ावा मिलने तथा लागत मूल्य में कमी से घरेलू विनिर्माण तथा एमएसएमई के लिए अवसर उत्पन्न होंगे और रोजगार सृजन होगा। इससे स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत का समेकन और गहरा होगा।

भारत के नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन इस खेल के हैं बादशाह, कॉलेज में बने थे चैंपियन

(जीएनएस)।

एनडीए के सीनियर बीजेपी लीडर सीपी राधाकृष्णन ने 9 सितंबर 2025 को हुए चुनाव में शानदार जीत दर्ज की और देश के माननीय उपराष्ट्रपति बने। सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। एनडीए उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन को कुल 452 प्रथम वरीयता वोट मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट ही मिल पाए। लगभग 96% सांसदों ने इस चुनाव में मतदान किया।

रह चुके हैं टेबल टेनिस के चैंपियन

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से न सिर्फ एनडीए की ताकत और मजबूत हुई है बल्कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव को भी देश की नई दिशा मानकर देखा जा रहा है। वे इससे पहले चार राज्यों के राज्यपाल रह चुके हैं और दो बार कोयंबटूर से सांसद भी चुने गए। राजनीति और प्रशासन में अनुभव रखने वाले राधाकृष्णन का व्यक्तित्व सिर्फ इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। कॉलेज के दिनों में वे टेबल टेनिस के चैंपियन भी रहे हैं। खेलों के प्रति उनकी रुचि और मेहनत ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

सीपी राधाकृष्णन ने कहां से की है पढ़ाई

राधाकृष्णन ने तमिलनाडु के तूतुकुड़ी स्थित वी.ओ. चिदंबरम कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई की। इसी दौरान उन्होंने कॉलेज स्तर की टेबल टेनिस चैंपियनशिप जीती और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। यह जीत उनके शुरूआती सार्वजनिक उपलब्धियों में से एक थी, जिसने उन्हें सहपाठियों और शिक्षकों के बीच अलग पहचान दिलाई। टेबल टेनिस के अलावा वे लंबी दूरी की दौड़ में भी अच्छे धावक रहे। उनकी फिटनेस और सहनशक्ति उन्हें ट्रैक एंड फील्ड में खास बनाती थी।

क्रिकेट और वॉलीबॉल खेलना भी था पसंद

इसके अलावा उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल खेलना भी पसंद था। यानी खेलों में उनकी बहुमुखी प्रतिभा साफ झलकती थी। सीपी राधाकृष्णन ने पढ़ाई और राजनीति के साथ-साथ खेलों में भी खास मुकाम हासिल किया। बता दें कि इससे पहले राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। इतना ही नहीं वह झारखंड के भी गवर्नर रह चुके हैं।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग और आईआईएम कलकत्ता ने ऐतिहासिक डिजिटल गवर्नेंस और डेटा प्रबंधन प्रशिक्षण के तीसरे समूह के साथ ही सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाया

(जीएनएस)।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमइआईटीवाई) के अंतर्गत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता (आईआईएमसी) के साथ साझेदारी करते हुए, 'डिजिटल शासन और डेटा प्रबंधन' पर प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे बैच का सफलतापूर्वक समापन किया। यह कार्यक्रम 8 से 10 सितंबर 2025 तक आईआईएम कलकत्ता परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

पहले दो सत्रों की शानदार कामयाबी के बाद, इस तीसरे सत्र में देश भर के 28 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए, जिनमें नई दिल्ली, कर्नाटक, राजस्थान, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, पंजाब और पश्चिम बंगाल के केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे।

यह पहल डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, क्षमता निर्माण योजना का एक अहम हिस्सा है। यह 2.5-दिवसीय गहन और विशेष तरीके से तैयार किया गया कार्यक्रम, भारत के वरिष्ठ नौकरशाही को देश के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करने और प्रभावी शासन के लिए डेटा की शक्ति का उपयोग करने हेतु जरुरी रणनीतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पाठ्यक्रम के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

- उन्नत डेटा गवर्नेंसः राष्ट्रीय डिजिटल संपत्तियों के प्रबंधन के लिए रूपरेखाएँ और अत्याधुनिक अभ्यास।
- साइबर सुरक्षा और गोपनीयताः डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने और नागरिक गोपनीयता की रक्षा के लिए मजबूत उपायों का कार्यान्वयन।
- डेटा-संचालित फैसले लेनाः कुशल नीति निर्माण और संगठनात्मक बदलावों के लिए विश्लेषण का लाभ उठाना।
- डिजिटल नेतृत्वः नागरिक-केंद्रित ई-गवर्नेंस परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और लागू करने की रणनीतियाँ।

यह पाठ्यक्रम खासकर सरकारी प्रशासकों के सामने आने वाली मौजूदा चुनौतियों का हल निकालने के लिए तैयार किया गया है। इन वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता और तजुर्बा, इसमें शामिल सभी लोगों के लिए सीखने के अनुभव को और गहरा बनाती है।

इस क्षमता-निर्माण योजना का मकसद सरकार के भीतर एक व्यापक डिजिटल व्यवस्था का निर्माण करना है, ताकि सभी को उच्च-गुणवत्ता, सरल और नागरिक-केंद्रित सेवाएँ दी जा सकें।

उत्तर प्रदेश के15.6 लाख लोगों की सेहत का भरोसा बना मणिपालसिग्ना

तीन सालों में 119 करोड़ रुपए के क्लेम्स का भुगतान किया

(जीएनएस)।

लखनऊ, 9 सितम्बर, 2025: भारत की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस (टल्ल्रस्र'ब्रॅल्लं ल्ली'इँ क्ल्ल२४१ल्ल्ली) ने उत्तर प्रदेश में अपनी प्रतिबद्धता की मिसाल पेश करते हुए, पिछले तीन सालों में 15.6 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रदान की और 119.49 करोड़ रुपए के क्लेम्स का भुगतान किया। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाने के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी अपने इनोवेटिव और अवॉर्ड-विनिंग प्रोडक्ट, मणिपालसिग्ना सर्वः को तेजी से अपनाने पर जोर दे रही है। भारत की 'मिसिंग मिडिल' आबादी को ध्यान में रखकर बनाई गई इस योजना ने जनवरी से जून 2025 के बीच उत्तर प्रदेश में कंपनी के नए कारोबार का 57% योगदान दिया। हाल ही में, उपभोक्ताओं की पसंद के आधार पर रिसर्च फर्म नील्सनआईक्यू द्वारा किए गए सर्वे में सर्वः को 'प्रोडक्ट ऑफ द ईयर 2025- हेल्थ इंश्योरेंस' चुना गया।

उत्तर प्रदेश में 7 ब्रांच, 800 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों और 4000 सलाहकारों के मजबूत नेटवर्क के साथ मणिपालसिग्ना लगातार अपनी सेवाओं और वितरण को मजबूत बना रहा है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2025-26 में राज्य में 7 नई ब्रांच खोलने और 3000 से ज्यादा नए सलाहकार जोड़ने की भी कंपनी की

योजना है।

स्वास्थ्य के नजरिए से देखें, तो उत्तर प्रदेश में कुल बीमारियों में से लगभग 48% हिस्सा गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) का है, जो एक बड़ी चुनौती है। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियाँ लगातार बढ़ रही हैं और अध्ययनों से पता चलता है कि शहरी इलाकों में इनका असर ग्रामीण इलाकों की तुलना में ज्यादा है। ये हालात इस बात को स्पष्ट करते हैं कि परिवारों को क्रॉनिक बीमारियों के बढ़ते खर्च से बचाने के लिए सस्ती और व्यापक हेल्थ इंश्योरेंस योजनाएँ बेहद जरूरी हैं।

सपना देसाई, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, ने कहा, "मणिपालसिग्ना में हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि उत्तर प्रदेश के हर घर तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती, समावेशी और आसानी से पहुँच सके। पिछले कुछ सालों में हमने प्रदेश में अपनी पकड़ मजबूत की है, चाहे वह अस्पतालों से जुड़कर हो, सलाहकारों के सहारे या फिर नए प्रोडक्ट्स लाकर। हमारा अवॉर्ड-विनिंग प्रोडक्ट 'मणिपालसिग्ना सर्वः' इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सिर्फ सर्वः ने ही इस साल यूपी में हमारे आधे से ज्यादा नए कारोबार में योगदान दिया है। यह हमारी सोच को और मजबूत करता है कि हम लोगों के जीवनभर के हेल्थ पार्टनर बनें और पूरे प्रदेश के लोगों की सेहत और सुकून की रक्षा करें।

मणिपालसिग्ना 'सर्वः' तीन अलग-अलग योजनाएँ पेश करता है, जो लोगों की जरूरत के हिसाब से तैयार की गई हैं:

मणिपालसिग्ना सर्वः उत्तम योजनाः इसमें अनंत नाम से अनलिमिटेड कवरेज का विकल्प है। यह ग्राहकों को गंभीर से गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से लड़ने की आजादी और पूरी सुरक्षा देता है।

मणिपालसिग्ना सर्वः परम योजनाः इसमें पहले ही दिन से कवरेज मिलता है, यानि कोई वेटिंग पीरियड नहीं है। साथ ही, यह अनलिमिटेड सम एश्योर्ड भी प्रदान करता है, जिससे शुरूआत से ही मानसिक सुकून और लगातार सुरक्षा बनी रहती है।

मणिपालसिग्ना सर्वः प्रथम योजनाः यह सस्ती और जरूरी हेल्थ इंश्योरेंस योजना है, खासकर उन परिवारों के लिए, जो अब तक बीमा से दूर रहे हैं। यह नई पॉलिसी लेने वालों और पुराने ग्राहकों दोनों के लिए उपयोगी है, ताकि वे बड़ी बीमारियों और दुर्घटना की वजह से इलाज का खर्च आसानी से संभाल सकें।

आशीष यादव, हेड- प्रोडक्ट्स एंड ऑपरेशन्स, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, ने कहा, "सर्वः के जरिए हम परिवारों को शुरू से ही बेफिक्र हेल्थकेयर देने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें उत्तम प्लान में अनलिमिटेड कवरेज और परम प्लान में जीरो वेटिंग पीरियड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। पहले ही दिन से सुरक्षा देने वाले फायदे देकर हम लोगों को यह भरोसा दिला रहे हैं कि अब उन्हें इलाज के खर्च की चिंता नहीं करना है, बल्कि अपनी सेहत पर ध्यान देना है। इन प्लान्स की खासियत यही है कि इनमें इतने उपयोगी फीचर हैं कि 'सर्वः' उत्तर प्रदेश के लोगों की अलग-अलग हेल्थकेयर जरूरतों के लिए एक पूरा और भरोसेमंद समाधान बन जाता है।"

उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए, मणिपालसिग्ना का ध्यान आसान और असरदार हेल्थ इंश्योरेंस सॉल्यूशंस देने पर है, जो लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ उन्हें सशक्त भी बनाते हैं।

आपदा में मदद के लिए एमएलसी योगेश नौहवार ने रालोद सुप्रीमों को सौंपा ढाई लाख रुपए का चेक

(जीएनएस)।

रालोद सुप्रीमों व केन्द्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने पार्टी के विधायक, सांसद और नेताओं से बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का आह्वान किया है। रालोद मुखिया के निर्देश पर रालोद के सभी सांसद और विधायकों ने दिल्ली पहुंचकर अपने एक-एक महीने का वेतन बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए उन्हें सौंपे हैं। इसमें जनप्रतिनिधियों के अलावा पार्टी के कई नेताओं ने भी सहायता राशि दी है। रालोद के कद्दावर नेता व एकमात्र एमएलसी योगेश नौहवार ने भी ढाई लाख रुपए का चेक रालोद मुखिया जयंत चौधरी को सौंपा है। एमएलसी योगेश नौहवार मांट व नौहझील इलाके

में भी बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करके उनको राहत सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। इसी के साथ बाढ़ प्रभावित कई गांवों में पहुंचकर लोगों से हालचाल जान रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग की है। एमएलसी योगेश नौहवार ने कहा कि मुश्किल समय में की गई मदद से बड़ी कोई इंसानियत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता जयंत चौधरी ने भी बाढ़ पीड़ितों की मदद करके वही इंसानियत दिखाई है। कहा कि उन्हें और रालोद के सभी नेताओं को बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने पर रालोद सुप्रीमों पर गर्व है।

सभी नागरिकों की सहभागिता से तैयार किया जा रहा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का रोडमैप

: प्रबुद्धजनों ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों साथ विचार-विमर्श कर 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के लिए संकलित किए सुझाव

(जीएनएस)।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के अंतर्गत संस्कृति यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र (आगरा) अरूणोदय वाजपेयी, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता सिविल कुलदीप कुमार, सहायक निदेशक / सह प्राध्यापक सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविधालय मेरठ और डा. विपिन कुमार समेत प्रबुद्धजन के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष संवाद एवं विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के साथ संवाद कर उनके विचार संकलित किए गए। इस मौके पर सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र (आगरा) अरूणोदय वाजपेयी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य आम लोगों से यह जानना है कि वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश का विजन कैसा होना चाहिए। इसी आधार पर शासन ने प्रबुद्धजनों को जिले में भेजा है, ताकि हर वर्ग से सुझाव प्राप्त हो

सकें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सुझाव आना चाहिए। बताया कि 1947 में प्रदेश की स्थिति क्या थी और आज क्या है, यह सभी के सामने है। कहा कि जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष 2047 मनाएगा, तब तक प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना हमारा साझा लक्ष्य है। वहीं सहायक निदेशक / सह. प्राध्यापक सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविधालय (मेरठ) डा. विपिन कुमार ने जनता से निसंकोच अपने सुझाव देने की अपील करते हुए बताया कि जो सुझाव विशेष रूप से उपयोगी पाए जाएंगे, उन्हे मुख्यमंत्री द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्र का मुख्य उद्देश्य नागरिकों और विभिन्न संगठनों से सुझाव एवं अनुभव प्राप्त करके उन्हें अभियान के विजन डॉक्यूमेंट में समाहित करना और प्रदेश के विकास की दिशा में नागरिकों की भागीदारी को सशक्त बनाना है। इसीक्रम में सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता सिविल कुलदीप कुमार ने कहा कि प्रदेश अगले 22 वर्षों में कैसे विकसित हो, इसका उत्तर अब नागरिकों के सुझावों से मिलेगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नागरिक इस अवसर का लाभ उठाते हुहुए अपने विचार और सुझाव सक्रियता से साझा करें। उन्होंने प्रतिभागियों को अभियान की प्रक्रिया, महत्व और पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया। इस मौके पर प्रतिभागियों ने कृषि और गन्ना उत्पादन, औद्योगिक और उद्यमशीलता विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण और तकनीकी नवाचार जैसे क्षेत्रों से जुड़े सुझाव साझा किए।

जयपुरिया फाउन्डेशन ने पूरे किए अकादमिक उत्कृष्टता के 30 साल

(जीएनएस)।

लखनऊ- जयपुरिया फाउन्डेशन ने लखनऊ स्थित जयपुरिया इस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट में आयोजित एक

भव्य समारोह में अपनी 30 वर्षों की अकादमिक उत्कृष्टता का जश्न मनाया। संस्थान हाल ही में एनआईआरएफ रैंकिंग में 67वें स्थान तक पहुंचने की वजह से सुर्खियों में रहा है, पिछले दो सालों में संस्थान यह रैंकिंग 25 पायदान आगे बढ़ गई है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर छात्र, फैकल्टी, एल्युमनाई तथा प्रतिष्ठित विचारक एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञ, बदलावकारी शिक्षा में संस्थान की विरासत तथा भावी लीडरों को बढ़ावा देने की इसकी अथक प्रतिबद्धता का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए। ह्यह्यएक संस्थान के लिए फाउन्डेशन डे का आयोजन सिर्फ एक समारोह नहीं बल्कि यह याद करने का मौका है कि हम क्या थे और भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। 30 सालों की यात्रा में हमने हर दिन, हर घण्टे, हर पल पहले से बेहतर करने का प्रयास किया है। मैनेजमेन्ट के 11 सिद्धान्तों और छात्र आचार संहिता के साथ हम अगले 30 सालों में भी गर्व के साथ अपनी पहचान को नया आकार देते रहेंगे ह्लह्ल डॉ कविता पाठक, डायरेक्टर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट ने कहा। उनके विचारों से समर्थन जाहिर करते हुए डॉ सुषमा विश्नानी, डीन-एकेडमिक्स, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट ने कहा, ह्यह्यकुल 30 सालों में से 20 सालों तक इस संस्थान के साथ जुड़ी रही हूं। मैंने देखा है कि लीडरशिप दृष्टिकोण ने हमेशा संस्थान को विश्वस्तरीय दृष्टिकोण दिया, यहां विश्वस्तरीय प्रथाओं की स्थापना की और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पेश किया। छात्र, जो हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, वे इस दृष्टकोण का केन्द्रबिन्दु रहे हैं। आज जयुपरिया उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है, और दूसरे संस्थानों को निश्चित रूप से इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। फाउन्डेशन ने अपनी विशिष्ट पहल- वन जयपुरिया इनीशिएटिव पर भी रोशनी डाली, यह अग्रणी अवधारणा फाउन्डेशन के चार परिसरों- लखनऊ, नोएडा, जयपुर और इंदौर- में सहयोगपूर्ण लर्निंग को बढ़ावा देती है। यह पहल परिसर के दायरे से बढ़कर लर्निंग एवं उत्कृष्टता की एक समान संस्कृति को प्रोत्साहित करती है, अपने चारों परिसरों में अकादमिक संसाधनों एवं फैकल्टी की विशेषज्ञता के जरिए छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को समृद्ध बनाती है। वन जयपुरिया इनीशिएटिव में कॉमन एडमिशन प्रक्रिया, सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेन्ट्स एवं एकीकृत पाठ्यक्रम शामिल है, जो उद्योग जगत के लीडरों और बदलावकताओं को बढ़ावा देती है। यह दृष्टिकोण न सिर्फ अकादमिक परिणामों को प्रोत्साहित करता है बल्कि छात्रों एवं फैकल्टी में सामुदायिक भावना एवं साझा प्रयोजन का भी निर्माण करता है। ह्यह्यजयपुरिया ने मुझे वो सब कुछ दिया जिसकी मुझे जरूरत थी। मुझे रेडिको सिटी में प्लेसमेन्ट मिला, मैं टॉप परफोर्मर बनी, मैंने कई पुरस्कार जीते। आज मैं अपने पति के साथ मिलकर तीन उद्यम चला रही हूं। मैंने प्रक्रिया पर भरोसा किया और मुझे कभी भी पछतावा नहीं करना पड़ता। इसलिए आपको भरोसा करना चाहिए। आप जो भी पाना चाहते हैं, आपको पूरी सच्चाई और लगन के साथ उस पर काम करने की जरूरत है ह्लह्ल मिस दीप्ती मेहरा, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट की एल्युमनाई एवं वाईस प्रेजीडेन्ट, मार्केटिंग, क्वेडो ने कहा, जिन्होंने माननीय अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत थी। कार्यक्रम के दौरान जयपुरिया के लीडरशिप ने छात्रों को विश्वस्तरीय एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने के फाउन्डेशन के विजन को दोहराया, साथ ही अखंडता, समावेशन एवं समाज को कुछ देने के अपने मूल्यों पर भी रोशनी डाली। इसके अलावा संस्थान ने छात्रों एवं स्टाफ को लॉयल्टी एवं एकेडमिक परफोर्मेन्स अवॉर्ड्स भी दिए, उनके योगदान और अकादमिक उपलब्धियों को सम्मानित किया। 30 साल पूरे होने की उपलब्धि जयपुरिया फाउन्डेशन की बेजोड़ विरासत का जश्न है, साथ ही यह भारत में मैनेजमेन्ट की शिक्षा के भविष्य को आकार देने की जयपुरिया की प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है।

घर में घुसकर बाइक छीनकर भागे दो बदमाश और एक महिला गिरफ्तार : छीनी गईं दो बाइक बरामद

(जीएनएस)।

थाना वृंदावन क्षेत्र स्थित रूकमणि विहार गोल चक्कर के पास से पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करके बाइक छीनकर भागे दो बदमाश और एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी वृंदावन संजय पांडेय और चौकी प्रभारी अद्धा कुलवीर तरार पुलिस टीम के वांछित अपराधियों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि घर में घुसकर महिला से मारपीट करके बाइक छीनकर भागे दो बदमाश और एक महिला कहीं भागने की फिराक में

रूकमणि विहार गोल चक्कर के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय पांडेय और चौकी प्रभारी अद्धा कुलवीर तरार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़े शातिर भागने लगे। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे बदमाश सोनू पुत्र सुभाष निवासी गांव चठेरा खानपुर जिला बुलंदशहर, मुकुल पुत्र लक्ष्मीनारायन निवासी सेक्टर-3 रुकमणि विहार गोल चक्कर थाना वृंदावन और एक महिला को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों की निशानदेई पर पवनहंस हैलीपैड के वाच टावर के पीछे छीनकर ले गए दो बाइक बरामद कर लीं। बताते चलें कि पकड़े गए शातिरों ने पीड़ित के घर में घुसकर पत्नी के साथ मारपीट करके बाइक और नगदी छीनकर ले गए थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कोर्टरूम से बाहर : कुब्रा सैत ने बताया कैसे काजोल ने बहुप्रतीक्षित सीरीज 'द ट्रायल सीजन 2' में उन्हें प्रेरणा दी

(जीएनएस)।

मुम्बई , इंतजार अब खत्म हुआ! बहुप्रतीक्षित सीरीज ह्यद ट्रायलः प्यार. कानून. धोखाह्ल सीजन 2 में काजोल एक बार फिर नयनिका सेनगुप्ता के रूप में लौट रही हैं। इस बार उनका किरदार पहले से कहीं अधिक मजबूत, तीखा और भावनाओं से भरा होगा। उमेश बिस्ट के निर्देशन और बनिजे एशिया के प्रोडक्शन में बनी यह सीरीज 19 सितम्बर 2025 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीजन में दांव ऊँचे होंगे, धोखे और गहरे होंगे और नयनिका को न सिर्फ हाई-प्रोफाइल मामलों का सामना करना होगा, बल्कि अपनी निजी ज़िंदगी की उथल-पुथल से भी जूझना होगा। सीजन 1 में अपनी गहरी और रहस्यमयी मौजूदगी से छाप छोड़ने वाली कुब्रा सैत भी सना शेख के रूप में वापसी कर रही हैं। इस बार उनका सफर और परतदार होगा—जहाँ सना छायाओं से बाहर निकलकर अपनी हिम्मत और संवेदनशीलता दोनों की परीक्षा देगी और उस कठोर सच से भी रू-ब-रू होगी, जहाँ सिस्टम अक्सर औरतों के साथ न्याय नहीं करता। कुब्रा सैत, जो इस सीजन में काजोल के साथ कई गहन दृश्यों में नजर आएँगी, ने कैमरे के पीछे अपनी बॉन्डिंग पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ह्लकाजोल एक इंसान के तौर पर बेहद शानदार और ईमानदार हैं। उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। वो तेज, साफ और बिना झिझक सही बात कहने वाली हैं। बतौर को-एक्टर, वो आपको स्पेस देती हैं, अपनाती हैं और जरूरत पड़ने पर सुधार भी बताती हैं। उनके साथ काम करते हुए मैंने सीखा कि असली हिम्मत का मतलब है अपनी ताकत को पहचानना और उस पर भरोसा करना। मुझे याद है, एक अहम सीन से पहले उन्होंने कैजुअली मुझसे पूछा—ह्यक्या तुम्हें लगता है कि तुम्हें एडीएचडी हो सकता है?ह्ल कोई और होता तो रिएक्ट कर जाता, लेकिन मैंने इसे प्रोसेस का हिस्सा माना और अपने थेरेपिस्ट से

ए.के.टी.यू. के 23वें दीक्षांत समारोह में एस.आर. ग्रुप लखनऊ के छात्र स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से हुए सम्मानित

(जीएनएस)।

लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विशेष स्थान प्राप्त किया है। अपनी-अपनी शाखाओं में श्रेष्ठ एसजीपीए (SGPA), रैंक और पदक हासिल कर इन विद्यार्थियों ने संस्थान का गौरव बढ़ाया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के 23वें दीक्षांत समारोह में एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के विद्यार्थियों ने टॉप-10 स्थान प्राप्त कर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित मेरिट प्रमाणपत्र हासिल कर संस्था का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग की निशा बिष्ट (SGPA 8.96) को स्वर्ण पदक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग विभाग के अभिषेक यादव (SGPA 8.47) को स्वर्ण पदक, स्वाति सुमन (SGPA 8.43) को रजत पदक, सौरभ कुमार (SGPA 8.26) को कांस्य पदक, तथा इन्टीग्रेटेड एम.बी.ए. विभाग की रिया द्विवेदी (SGPA 8.81) को रजत पदक* प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एम.एल.सी. पवन सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और कहा कि कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर विद्यार्थी अपने जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे। वहीं, एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन पियूष सिंह चौहान ने भी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इसी प्रकार निरंतर आगे बढ़ते रहें और संस्थान व परिवार का नाम रोशन करें।

फायरिंग करके दहशत फैलाने वाले को पुलिस ने पकड़ा : घटना में प्रयुक्त लाईसेंसी रिवाल्वर बरामद

(जीएनएस)।

थाना बल्देव क्षेत्र स्थित गांव मगना में फायरिंग करके दहशत फैलाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों गांव मगना में एक व्यक्ति ने फायरिंग करके दहशत फैला दी थी। सोशल मीडिया पर आरोपी का फायरिंग करते हुए वीडियो भी वायरल हुआ था। इसके बाद थाना प्रभारी बल्देव रंजना सचान ने फायरिंग करने वाले की तलाश शुरू कर दी थी। उसी बीच उन्हें सूचना मिली कि फायरिंग करने वाला आरोपी अपने घर आया है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रंजना सचान पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गईं। पुलिस ने गांव मगना स्थित मकान से आरोपी छीतर सिंह पुत्र बलवीर सिंह निवासी गांव मगना थाना बल्देव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त लाईसेंसी रिवाल्वर बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।